

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश) धन-कर, दान-कर तथा सम्पदा शुल्क की सकल शुद्ध बकाया के आंकड़े केवल 31 दिसम्बर, 1973 की स्थिति के अनुसार तत्काल उपलब्ध है और वे इस प्रकार हैं :-

(करोड़ रु० में)

	सकल	शुद्ध
धन-कर	28.18	19.90
दान-कर	3.92	2.48
सम्पदा शुल्क	15.90	9.05

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH): The figures of gross and net arrears of wealth-tax, gift-tax and estate duty are readily available only as on 31st December, 1973 and the same are as follows:—

(In crores of rupees)

	Gross	Net
Wealth-tax . . .	28.18	19.90
Gift-tax . . .	3.92	2.48
Estate Duty . . .	15.90	9.05

विलास-वस्तुओं के लिये कच्चे माल का आयात

354. श्री जगदीश जोशी :

श्री गुरूपानन्द ठाकुर :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1972-73 और 1973-74 के वर्षों में किन-किन सौन्दर्य प्रसाधनों तथा अन्य विलास वस्तुओं के उत्पादन के लिए कच्चे माल का आयात किया गया ; और

(ख) सरकार इस प्रकार के आयात को रोकने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

†[Import of raw materials for luxury items

354. SHRI JAGDISH JOSHI:

SHRI GUNANAND THAKUR:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the names of cosmetics and other luxury items for the production of which raw materials were imported during the years 1972-73 and 1973-74; and

(b) the steps Government propose to take to stop such imports?]

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) 1972-73 तथा 1973-74 के दौरान फेस क्रीम, स्नो, टैल्क, टायलेट पाउडर, फेस पाउडर, हेयर आयल्स, शैम्पू, लोशनों आदि जैसे सौन्दर्य प्रसाधनों के उत्पादन के लिए कतिपय आवश्यक कच्चे माल के आयात करने की अनुमति दी गई थी। "विलास की वस्तुएं" शब्द बहुत व्यापक है, इसलिए विलास की वस्तुओं का विशिष्ट संकेत देना जरूरी है।

(ख) जैसे ही और जब देश में उपर्युक्त स्वदेशी स्थानापन्न वस्तुएं उपलब्ध हो जाएगी, आवश्यक कच्ची सामग्रियों के आयात धीरे-धीरे बन्द कर दिए जाएंगे।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) For production of cosmetics items like face cream/snow, talc, toilet powder, face powder, hair oils, shampoo, lotions etc. certain essential raw materials were allowed to be imported during 1972-73 and 1973-74. The term 'luxury items' being a very wide one, it is necessary to have a specific indication of luxury items.

(b) The imports of essential raw materials will be stopped gradually as and when suitable indigenous substitutes become available in the country.]

Demand made at the All India Cotton Growers Conference

355. SHRI D. S. PATIL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state: